

श्रीमती एम.एम.के. वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र महाविद्यालय

प्रथम इकाई कृति पत्रिका - २०१९

विषय - हिंदी

कक्षा : ११वीं

अंक : २५

दिनांक :

समय : १ घण्टा ३० मिनट

सूचना :- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न : १ (i) घटनाओं को उचित क्रम में लिखिए

(२)

- १) पकवान देखकर बबन की आँखों में खुशी के आँसू छलकना
- २) उषा की आँखें विस्मय से भर उठना
- ३) बबन का दीपक उठाकर जेब में रखना
- ४) आटे के दीपकों का सुबह तक बुझ जाना

आटे के दीपक कंपाउंड की मुंडेर पर जलकर सुबह तक बुझ गए थे। उषा जॉगिंग के लिए फ्लैट से नीचे उतरी तो उसने देखा, सफाई करने वाला बबन उन दीपों को कचरे के डिब्बे में न डाल अपनी जेब में रख रहा था। कृशकाय बबन कंपाउंड में झाड़ू लगाते हुए हर रोज उसे सलाम करता था। “तुमने दीपक जेब में क्यों रख लिए?” उषा ने पूछा। “घर जाकर अच्छे से सेंककर खा लेंगे, अन्न देवता हैं न।” बबन ने खीसे निपोरे।

उषा की आँखें विस्मय से भर उठीं। तमाम दावतों में भरी प्लेटों में से जरा-सा टूंगने वाले मेहमान और कचरे के डिब्बे के हवाले प्लेटों का अंबार उसकी आँखों में सैलाब बनकर उमड़ आया। वह दौड़ती हुई घर गई। जल्दी-जल्दी पकवानों से थैली भरी और दौड़ती हुई एक साँस में सीढ़ियाँ उतर गई अब वह थी और बबन की काँपती हथेलियों पर पकवान की थैली। उषा की आँखों में हजारों दीप जल उठे और पकवानों की थैली देख बबन की आँखों में खुशी के आँसू छलक आए।

(ii) कारण बताइए -

- १) बबन ने बुझे हुए आटे के दीपक जेब में रख लिए।
- २) उषा की आँखों में हजारों दीप जल उठे।

(iii) 'अन्न बैंक' की आवश्यकता इस पर ६ से ८ वाक्यों में अपने विचार लिखिए (२)

प्रश्न : २ ८० से १०० शब्दों में उत्तर लिखिए -

- १) 'उषा की दीपावली' लघुकथा द्वारा प्राप्त संदेश लिखिए।
- २) 'मुस्कुराती घोट' शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

प्रश्न : ३ (i) कविता की पंक्तियाँ पढ़कर आशय स्पष्ट कीजिए

ऊँची हुई मशाल हमारी, आगे कठिन डगर हैं,
शत्रु हट गया लेकिन उसकी छायाओं का डर है,
शोषण से मृत है समाज कमजोर हमारा घर है,
किंतु आ रही नई जिंदगी, यह विश्वास अमर है,
जनगंगा में ज्वार, लहर तुम प्रवहमान रहना,
पहलूए, सावधान रहना।

(ii) लिखिए -

समाज की वर्तमान स्थिति $\frac{1}{2}$

(iii) 'देश की रक्षा - मेरा कर्तव्य' इस पर अपना मत स्पष्ट कीजिए

प्रश्न : ४ (i) निम्नलिखित मुहावरों में से तीन मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए -

- १) अपने पैरों पर खड़ा होना
- २) आँच न आने देना
- ३) आँखों में सैलाब उमड़ना
- ४) आसमान के तारे तोड़ना

(ii) लिंग परिवर्तित कीजिए -

- १) देवरानी
- २) अध्यापक

(iii) वचन बदलिए -

- १) जड़े
- २) भावना